

## Middle The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

HIT I—GUS 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशिश PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 71]

मई विल्ली, बृहस्पशिवार, मई 26, 1994/ज्योव्ह 5, 1916

No. 711

NEW DEUHL, THURSDAY, MAY 25, 1994/JYA15THA 5, 1916

बस्त्र मंत्रालय

यादेश

नई दिल्ली, 26 मई, 1994

संख्या 8/9/93—टीपी सी :—केन्द्रीय सरकार, श्रावण्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वस्त्र (विकास ऑर विनियमन) श्रादेश, 1993 का संगोधन करने के लिए निम्नलिखिन श्रादेश करती है, श्रर्थात् :—

- (1) इस प्रादेश का संक्षिप्त नाम बस्त्र (विकास और विनियमन) ग्रादेश
   1994 है।
  - (2) यह राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख की प्रवृक्ष होगा।

2. जात (विकास और विनियमन) श्रादेश 1993 में खंड 10 के पश्चात् निम्न-सिखित खंड अंतास्थारित किए जाएंगे, श्रर्थात् --

"10-क वस्त्र ग्रायुक्त :--

- (1) कपड़े, सूत और अन्य बस्त्र उत्पादों की मांग; और/या
- (2) जन साधारण की आयण्यकाओं; और/मा
- (3) ऐसे कपड़े, सूत और अन्य वस्त्र उत्पादों के लिए उद्योग की विशेष भ्रावश्यकता;

कों ध्यान में रखते हुए, सूत, कपड़े और अन्य उत्पादों की अक्षिज्तम माल्ला, जो कोई व्यक्ति किसी समय पर अपने कब्जे में रख सकता है, विनिद्धिय कर सकेगा।

- 10-ख बस्त्र ग्रायुक्त, सूत, कपड़े और ग्रन्य बस्त्र उत्पादों का उपयुक्त व्यापार तथा वाणिज्य सुनिध्चित करने और इस ग्रादेश के उपबंधों का भ्रम् का सुनिध्चित करने की दृष्टि से किसी व्यक्ति को लिखित को में निध्वलिखित प्रमुख रूप से ऐसी रीति में, जो समय-समय पर विनिद्धिः की जाए, निदेश दे सकेगा, ग्रर्थात् :---
- (क) सूत, कपड़े और ग्रन्य वस्त्र उत्पादों की स्टाक की स्थिति; और
- (ख) प्रत्येक उत्पाद की मूल्य सूची "

*ण्*स. नारायणन, संयुक्त **सन्धि**व

टिप्पण :--मूल ब्रादेश, भारत केराजपहा,श्रसाधारण में तारीख 2 अप्रैल, 1993 की सख्या 8/9/83---टीपीसी द्वारा प्रकाशित किया गया था।

## MINISTRY OF TEXTILES ORDER

New Delhi, the 26th May, 1994

No. 8|9|93-TPC.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order to amend the Textiles (Development and Regulation) Order, 1993 namely:—

- 1. (1) This order may be called the Textile (Development and Regulation) Amendment Order, 1994.
- (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

- 2. In the Textile (Development and Regulation) Order, 1993, after clause 10, the following clauser shall be inserted, namely :--
  - "10-A. The Textile Commissioner may, having regard to:
    - (i) the demand for cloth, yarn and other textile products; and or
    - (ii) the needs of the general public; and or
  - (iii) the special requirement of the industry for such cloth, yarn and other textile products,

specify the maximum quantity of yarn and other textile products which a person may have in his possession at any time.

- 10-B. The Textile Commissioner for securing proper trade and commerce of yarn, cloth and other textile products and with a view to securing compliance with the provisions of this Order, may direct in writing any person to display prominently,—
  - (a) the stock position of yarn, cloth and other textile products; and
  - (b) the price list of each products:

in the manner as may be specified from time to time."

S. NARAYANAN, Jt. Secy.

NOTE: The principal order was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number 8/9/93-TPC dated the 2nd April, 1993.